भूटान और सिक्किम की बिजली से रौशन होगी दिल्ली

गर्मियों में बिजली की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए बीएसईएस ने किए सभी इंतजाम पूरे

नई दिल्ली: 12 मार्च, 2018। बीएसईएस ने अपने 40 लाख उपभोक्ताओं को गर्मियों में बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली की अनुमानित मांग के हिसाब से उसकी व्यवस्था कर ली है। पावर परचेज अग्रीमेंट्स के तहत, बीएसईएस को हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, केरल, मेघालय व सिक्किम से बिजली मिलेगी। यही नहीं, बीएसईएस ने सरहद पार, भूटान से भी बिजली खरीद का समझौता किया है। वहां से भी गर्मियों के दौरान बीएसईएस को बिजली मिलेगी।

बिजली खरीद समझौतों के तहत, बीएसईएस को हिमाचल प्रदेश से 425 मेगावॉट, उत्तर प्रदेश से 72 मेगावॉट, आंध्र प्रदेश से 50 मेगवॉट, सिक्किम से 50 मेगावॉट और तमिलनाडु से 25 मेगवॉट बिजली मिलेगी। बीएसईएस को भूटान से भी 40 मेगावॉट बिजली मिलेगी।

पावर बैंकिंग के तहत, बीएसईएस को गर्मियों के दौरान 665 मेगावॉट बिजली मिलेगी। पावर बैंकिंग वह सिस्टम है, जिसके तहत, बीएसईएस सर्दियों के दौरान ठंडे प्रदेशों को बिजली देती है और ठंडे प्रदेश उतनी ही बिजली गर्मियों में बीएसईएस को वापस कर देते हैं। दरअसल, सर्दियों में दिल्ली में बिजली की मांग उतनी नहीं होती, जबकि ठंडे प्रदेशों में बिजली की पीक डिमांड सर्दियों के दौरान ही आती है। इसके उलट, गर्मियों में दिल्ली में बिजली की मांग काफी बढ़ जाती है और ठंडे प्रदेशों में कम हो जाती है। पावर बैंकिंग के तहत, बीआरपीएल को 250 मेगावॉट तक और बीवाईपीएल को 275 मेगावॉट तक बिजली मिलेगी।

इसके अलावा, बीएसईएस को 170 मेगवॉट अक्षय ऊर्जा मिलेगी। बीआरपीएल को 150 मेगावॉट अक्षय ऊर्जा हिमाचल प्रदेश से और बीवाईपीएल को 20 मेगवॉट अक्षय ऊर्जा राजस्थान से मिलेगी। अगर आकस्मिक तौर पर बिजली की जरूरत बढ़ी, तो पावर एक्सचेंज से शॉर्ट टर्म आधार पर उसकी व्यवस्था की जाएगी।

पिछले सारे रेकॉर्ड्स को तोड़ते हुए, इस साल गर्मियों में दिल्ली में बिजली की पीक डिमांड 7000 मेगावॉट के आंकड़े को पार सकती है। पिछले साल बिजली की मांग 6526 मेगावॉट थी। यह अब तक की उच्चतम मांग थी। बीआरपीएल इलाकों में पिछली गर्मियों में बिजली की पीक डिमांड 2745 मेगावॉट थी, जो इस साल बढ़कर 2882 मेगावॉट जा सकती है। बीवाईपीएल क्षेत्रों में पिछले साल गर्मियों के दौरान पीक पावर डिमांड 1469 मेगावॉट थी, जो इस साल बढ़कर 1668 मेगावॉट के आंकड़े को छू सकती है।

बिजली की मांग का सटीक अनुमान लगाएगी लोड फोरकास्टिंग तकनीक

अपने उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बीएसईएस ने न सिर्फ बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की है, बल्कि बिजली की मांग का लगभग सटीक अनुमान लगाने के लिए वह अत्याधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल करेगी। इसमें मौसम का अनुमान लगाने वाली तकनीक भी शामिल है। आईएमडी–पॉस्को द्वारा उपलब्ध कराए गए फोरकास्टिंग तकनीकों से बिजली की पीक डिमांड का करीब–करीब सटीक अनुमान लगाने में मदद मिलेगी। खास बात यह है कि इन तकनीकों की बदौलत, बीएसईएस के एक्सपर्ट्स इसका अनुमान लगाने में भी सक्षम होंगे कि कल बिजली की डिमांड कितनी पहुंचने की संभावना है। ये अनुमान 97–98 प्रतिशत तक सही होते हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।